This question paper contains 3 printed pages] Roll No. S. No. of Question Paper: 2582 HC 72132802 Unique Paper Code Sanskrit B-1: Upanişad and Gita Name of the Paper **Ability Enhancement Compulsory** Name of the Course Course-l Semester Maximum Marks: 75 Duration: 3 Hours (Write your Roll No. on the top immediately on receipt of this question paper.) Unless otherwise required in a question, answer should Note :be written either in Sanskrit or in Hindi or in English; but the same medium should be used throughout the paper. टिप्पणी : अन्यथा आवश्यक न होने पर इस प्रश्न-पत्र का उत्तर संस्कृत

> Part 'A' भाग 'क'

सभी उत्तरों का माध्यम एक ही होना चाहिए।

या हिंदी या अंग्रेजी किसी एक भाषा में दीजिए; लेकिन

Answer any two questions from Part 'A'. 15×2=30 भाग 'क' में से किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

Describe savara according to the savasyopanişad.
ईशावास्योपनिषद् के आधार पर 'ईश्वर' का वर्णन कीजिए।

- Explain Vidya and Avidya according to Isavasyopanişad.
 ईशावास्योपनिषद् के अनुसर विद्या और अविद्या को समझाइये।
- Write the summary of Isavasyopanisad in your own words.
 ईशावास्योपनिषद् का सार अपने शब्दों में लिखिए।

Part 'B'

भाग 'ख'

Answer any two questions from the Part 'B'. $15\times2=30$ भाग 'ख' में से किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

4. Describe the nature of Atma according to the second chapter of Gita?

गीता के द्वितीय अध्याय के अनुसार आत्मा का स्वरूप बताइए।

- Write an article on the concept of karma theory on the basis of the second chapter of Gita.
 - गीता के द्वितीय अध्याय के आधार पर कर्म-सिद्धान्त पर एक लेख लिखिए।
- Describe the mental situation of Arjuna in your own words.

अर्जुन की मन:स्थिति को अपने शब्दों में समझाइए।

7. What is the significance of the second chapter of Gita ?
गीता के द्वितीय अध्याय का क्या महत्व है ?

Part 'C' भाग 'ग'

- 8. Write short notes on any three of the following: 5×3=15 निम्नलिखित में से किन्हीं तीन पर संक्षिप्त टिप्पणी लिखिए:
 - (1) ब्रह्म
 - (2) कम
 - (3) सृष्टि
 - (4) आत्मा
 - (5) ईश्वर।